परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक
श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165
श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष
सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक
बाहुबली जैन, 9827247847

समाज के श्रेष्ठीजनों से पुन: सादर अनुरोध है कि समाज की एकमात्र सामाजिक पत्रिका गोलालारीय दर्शन के निरंतर प्रकाशन के लिए आप शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक, विशेष सहयोगी बनकर पत्रिका को आर्थिक संबल प्रदान करें।

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड़, इन्दौर पर भेंजे।

आपके मन में अपनी समाज के लिए सहयोग की भावना जागृत होगी परंतु शायद हमारी यह आशा निरर्थक साबित हुई, अब हम यह विचार क्यों न करे कि हमने अपनी समाज के लिए क्या किया ? 12 वर्षों के उपरांत भी यदि आप 5100 या 2100 रुपये राशि सदस्यता के रुप में देने का मन नहीं बना पाते है तों आप ही सोचिए कि हम पत्रिका का संचालन आर्थिक सुदृढ़ता के अभाव में किस तरह से कर सकते है । ऐसा नहीं है, कि आपको पत्रिका सदस्यता शुल्क देने की जानकारी ना हो प्रेषित किए जाने वाले **गोलालारीय दर्शन पत्रिका** पर आपके पते के स्टीकर पर सदस्यता शुल्क की जानकारी अंकित रहती है। आज का गोलालारीय समाज 20 वर्ष पूर्व जैसा गोलालारीय समाज नहीं रहा है हमारे परिजनों की कड़ी मेहनत और श्रीजी के आशीर्वाद से अधिकतर परिवार बहुत संपन्न हो गये है । परिवारों की आर्थिक स्थिति पहले जैसी नहीं रही है कई सक्षम व्यापारी हैं तो कई प्रतिष्ठित संस्थाओं में कार्यरत है फिर भी अपनी मातृसंस्था के प्रति हमारी सोच अभी भी बदल नहीं पा रही है इन संस्थाओं को सशक्त व आर्थिक रुप से सुदृढ़ बनाने के लिए हम अपना मन ही नहीं बना पाते है ? हमें अपने दिल पर हाथ रख यह विचार अवश्य करना चाहिए कि क्या गोलालारीय समाज के परिवारों को अपने समाज से कोई लगाव नहीं है ? क्या हम चाहते है कि समाज का एकमात्र मुखपत्र गोलालारीय दर्शन का प्रकाशन समाज हित में निरंतर होता रहे और सभी परिवारों तक पूर्वानुसार पत्रिका भेजी जाती रहे तो अब हमें अपने मन और मस्तिष्क को उदार कर आर्थिक सहयोग देने की पहल करना ही पड़ेगी ।

जिन परिवारों ने हम पर भरोसा रख आजीवन सदस्यता की राशि जमा कराई है हम उनके साथ धोखा नहीं कर सकते हैं पत्रिका को बीच में बंद कर उनके विश्वास को हम ठेस नहीं पहुंचा सकते है। यही सोचकर हमने पत्रिका के लाभ से उन परिवारों को वंचित करने का फैसला किया है जिनके द्वारा नियमानुसार सदस्यता शुल्क जमा नहीं है यह सही भी है कि सुविधाओं का लाभ उन्हें ही प्राप्त होना चाहिए जिन्होंने सहयोग राशि दी हैं अन्यथा नि:शुल्क व निरंतर पत्रिका भेजने वाली संस्थाएं या ता बीमार पड़ जाती है या वक्त से पहले ही खत्म हो जाती है । हम गोलालारीय समाज के इस सम्मान को ना तो बीमार पड़ने देना चाहते है और ना ही कभी खत्म होने देना चाहते है । यही कारण है कि हमने इतना कठोर कदम 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका को अमिट बनाने के लिए लिया है।

– राजेन्द्र जैन 'बागो'

हार्दिक बधाईयाँ

डॉ. अर्पित जैन, का चयन संघ लोक सेवा से भारतीय पुलिस सेवा (IPS) में हरियाणा कैडर के लिए हुआ । श्री अर्पित वर्तमान में हिसार के पुलिस अधीक्षक (SP) के पद पर कार्यरत है । इसी वर्ष उन्हें देश के 50 सर्वश्रेष्ठ कप्तानों की सूची में शामिल किया गया । आप भोपाल निवासी डॉ. ज्ञानेशकुमार-डॉ. ममता जैन के सुपुत्र है । आपकी स्कूली शिक्षा प्रसिद्ध जैन तीर्थ मक्सीजी एवं भोपाल में संपन्न हुई । वाराणसी हिंदू विश्वविद्यालय से एम.बी.बी.एस. करने के पश्चात एम.एस. के अध्ययन के दौरान ही आपका चयन हो गया था ।

आई पी एस अधिकारी **श्रीमती डॉ. अंशु जैन** वर्तमान में फरीदाबाद के डिप्टी पुलिस कमिश्नर के तौर पर देश की सेवा कर रही है । आप डॉ. अर्पित की धर्मपत्नी है । डॉ. अर्पित और आप अपने काम के साथ साथ जीव दया एवं धार्मिक कार्यों में भी समर्पित है ।

सीए आदर्श जैन
आप भोपाल निवासी संध्या-अरविंद जैन के सुपुत्र सीए आदर्श जैन ने नवम्बर 2020 में सीए उत्तीर्ण किया । आपने 4 प्रयास किये । आपकी स्कूली शिक्षा केन्द्रीय विद्यालय नं. 2, भोपाल से हुई ।

आदर्श जैन सुपुत्र श्री रविन्द्र जैन रेलवे सीटीआई झांसी का चयन यूपीएससी द्वारा आयोजित भारतीय इंजीनियरिंग सेवा(आईईएस) में हुआ । आपने प्रारंभिक शिक्षा झांसी में एवं उच्च शिक्षा (बी.टेक) एनआईटी हिमाचल से प्राप्त की है । आपको भारत सरकार में मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस के अंतर्गत असि. इंजीनियर एक्जीक्युटिव (एईई) के पद पर पदस्थ किया गया है।

मेघा जैन, पुत्री भरतेश-पूर्णिमा जैन जिन्होंने 12 वी क्लास क्वीन्स कॉलेज से 87% से पास करके सीए फायनल 2 अटेम्प्ट में पास करके मार्च 2021 में चार्टर्ड अकाउंटेंट बनी ।

28 दिसम्बर 2020 को भोपाल में **नित्यता जैन** सुपुत्री श्री नितिन-निधि जैन को शतरंज में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय उपलब्धियों के लिए म.प्र.सरकार के उत्कृष्ट खेल अलंकरण 'एकलव्य अवॉर्ड 2019' से मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान, खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया, खेल संचालक श्री पवन जैन ने सम्मानित किया ! अवॉर्ड में उसे एक खूबसूरत ट्रॉफी, सर्टिफिकेट एवं 50 हजार की राशि के चेक से सम्मानित किया गया। अभी तक अपने चैस कैरियर में नित्यता 8 इंटरनेशनल मेडल, 2 इंटरनेशनल फिडे चैस टाइटल, 2 नेशनल स्कूल मैडल एवं 25 बार अलग अलग आयु वर्गों में म.प्र. राज्य गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुकी हैं। आपने कुछ दिनों पूर्व 1 अगस्त से 5 अगस्त तक वर्ल्ड यूथ ऑनलाइन चैस चैम्पियनशिप 2021 लिए भारत का प्रतिनिधित्व भी करा है ।

राकेश जौहरी, राजेश जौहरी ने सागर के भाग्योदय तीर्थ क्षेत्र में चातुर्मास हेतु विराजमान 108 मुनिश्री समयसागरजी ससंघ के चातुर्मास कलश की स्थापना की है । आप सागर में अनेक धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते रहे है । राकेश जौहरी सागर के पूर्व पार्षद भी रह चुके है । आप गोलालारीय दर्शन परिवार के प्रारंभिक दौर से जुड़े हुए है । सागर गोलालारीय समाज के संगठन के लिए प्रयासरत है ।

भोपाल सशक्त महिला मंडल की कार्यकारी अध्यक्ष कई सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं में कार्य हेतु अग्रणी आकाशवाणी में कुशल उद्घोषिका **श्रीमती साधना जैन** को भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा भोपाल संभाग में संयोजक मनोनीत किया गया है । आप गोलालारीय दर्शन की सह-संपादिका भी है ।

गोलालारीय दर्शन की ओर से आपकी उपलब्धि पर हार्दिक बधाई।

चातुर्मास... पृष्ठ क्र. 1 का शेष...

आयुर्वेद ने बहुत सी जिंदगियो को सुरक्षित की है और प्रमाणित कर दिया कि आयुर्वेद शास्त्र आज प्रासंगिक है और शोध के द्वारा लिखे गए है । अकाल मृत्यु को टालने का एकमात्र उपाय आयुर्वेद है यह हमारे आयुर्वेद ग्रंथों में लिखा है । आज जो चिकित्सा पद्धति लोकप्रिय है वह मात्र 200 वर्षों पूर्व ज्ञात की गई लेकिन आयुर्वेद तीन, चार हजार वर्ष पूर्व पूर्ण शोध के साथ विकसित की गई अहिंसक पद्धति है जो की अब वैज्ञानिक भी प्रमाणित कर रहे हैं ।

अकलंक देव कहते हैं कि मृत्यु तो निश्चित है उसे टाला नहीं जा सकता लेकिन आकस्मिक या अकाल मृत्यु को ज्ञान से टाला जा सकता है यही ज्ञान आयुर्वेद है। जबलपुर वाले सौभाग्यशाली हैं कि यहां पूर्णायु आयुर्वेद औषधि केन्द्र बनाया जा रहा है जो शुद्ध और अहिंसक आयुर्वेद का केन्द्र होगा ऐसी मेरी आशा है । जिस तरह अंतराय रहित आहार का महत्व है । उसी तरह शुद्ध और शास्त्र पद्धति से निर्मित औषधि का भी महत्व है। आचार्य श्री जी ने कहा कि मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि आपका सबका तन, मन, शुद्ध रहे और सभी स्वस्थ रहें।

दयोदय तीर्थ गौशाला स्थित पूर्णायु आयुर्वेद परिसर में आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के चातुर्मास कलश की स्थापना का सौभाग्य अनेक धर्मालंबियों परिवार के साथ जैन पंचयात सभा जबलपुर को भी कलश स्थापना का पुण्य अवसर प्राप्त हुआ। आचार्यश्री के निर्देशन में 50 एकड़ भूमि पर भविष्य की कई योजनाएँ है – ❊ दयोदय तीर्थ गौशाला ❊ प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ ❊ चल-चरखा ❊ पूर्णायु 800 बिस्तरी सर्वसुविधायुक्त आयुर्वेद चिकित्सालय एवं अनुसंधान विद्यापीठ ❊ श्रीमद् जिन मंदिर चौबीसी सहस्त्रकूट जिनालय ।